**भारत सरकार**

**जल शक्ति मंत्रालय**

**जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1136**

**दिनांक 05 फरवरी, 2026 को उत्तरार्थ**

**.....**

**वाराणसी में गंगा नदी में प्रदूषण का स्तर**

**1136. श्रीमती शताब्दी राय बनर्जीः**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश के वाराणसी में वर्ष 2014 से गंगा नदी में प्रदूषण स्तर का वर्षवार ब्यौरा क्या है; और

(ख) वाराणसी और उसके आसपास के नदी क्षेत्र की सफाई के लिए वर्ष 2014 से वर्षवार कितनी निधि का उपयोग किया गया है?

**उत्तर**

**जल शक्ति राज्य मंत्री**
**(श्री राज भूषण चौधरी)**

**(क):** गंगा नदी की प्रदूषण स्थिति की निगरानी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा 112 जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों के माध्यम से की जाती है। सीपीसीबी द्वारा नदियों को पांच प्राथमिकता श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है, जो इस प्रकार हैं:

| **प्राथमिकता श्रेणी** | **बीओडी सांद्रता सीमा (मिलीग्राम/लीटर)** |
|---|---|
| प्राथमिकता I | > 30 (सर्वाधिक प्रदूषित) |
| प्राथमिकता II | 20 – 30 |
| प्राथमिकता III | 10 – 20 |
| प्राथमिकता IV | 6 – 10 |
| प्राथमिकता V | 3 – 6 (न्यूनतम प्रदूषित) |

सीपीसीबी की पीआरएस मूल्यांकन रिपोर्टों के अनुसार वाराणसी में पाई गई जल गुणवत्ता इस प्रकार है:

| **पीआरएस मूल्यांकन रिपोर्ट वर्ष** | **प्राथमिकता श्रेणी** |
|---|---|
| 2015 | प्राथमिकता-III |
| 2018 | प्राथमिकता-IV |

| पीआरएस मूल्यांकन रिपोर्ट वर्ष | प्राथमिकता श्रेणी |
|---|---|
| 2022 | प्राथमिकता-V |
| 2025 | प्राथमिकता-V |

**(ख):** नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत वाराणसी में परियोजनाओं/कार्यकलापों के कार्यान्वयन हेतु, इसकी शुरुआत (वित्तीय वर्ष 2014-15) से 19 जनवरी 2026 तक, उत्तर प्रदेश राज्य में निम्नलिखित एजेंसियों को धनराशि जारी की गई है:

| कार्यान्वयन एजेंसियाँ | उद्देश्य |
|---|---|
| राज्य स्वच्छ गंगा मिशन | सीवरेज अवसंरचनाओं की स्थापना और रखरखाव |
| हाइब्रिड एन्युटी मोड में कार्यान्वित वाराणसी एसटीपी परियोजना के रियायतग्राही | सीवरेज अवसंरचनाओं की स्थापना और रखरखाव |
| वाराणसी नगर निगम | घाटों की सफाई और वाराणसी में ट्रैश स्किमर के माध्यम से नदी की सतह की सफाई |
| भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान वाराणसी | स्वच्छ नदियों पर स्मार्ट प्रयोगशाला |
| राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन | उन्नत ऑक्सीकरण प्रक्रिया की स्थापना के माध्यम से नालों से प्रदूषकों का निष्कासन |

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश-राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के लिए प्रदान की गई उपर्युक्त गतिविधियों के लिए वर्ष 2014 से वाराणसी में वर्ष-वार व्यय नीचे दिया गया है:

| वर्ष | वर्ष-वार व्यय (करोड़ रुपये में) |
|---|---|
| 2014 | 0.00 |
| 2015 | 170.16 |
| 2016 | 82.98 |
| 2017 | 125.93 |
| 2018 | 139.59 |
| 2019 | 37.05 |
| 2020 | 70.79 |
| 2021 | 60.01 |
| 2022 | 62.64 |
| 2023 | 13.71 |
| 2024 | 17.36 |
| 2025 | 77.16 |
| **कुल** | **857.38** |

*****